कक्षा–12

हिन्दी विषय की तैयारी करने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव

- हिंदी विषय में गद्य, पद्य, कथा साहित्य, संस्कृत–खण्ड, व्याकरण, काव्य सौन्दर्य, खण्डकाव्य एवं निबन्ध सम्मिलित है। परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए समय का उचित प्रबन्धन करके सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का एकाग्रतापूर्वक पुनरावृत्ति करें एवं विषय को रटने के स्थान पर भली–भाँति समझ कर पढ़ें।

- निर्धारित काव्य का अध्ययन करते समय कविता में निहित काव्य सौन्दर्य के तत्वों (रस, छन्द, अलंकार) को रेखांकित करें और परिभाषा एवं उदाहरण का अभ्यास करें।

- गद्य के अन्तर्गत लेखकों की रचनाओं को पढ़ते समय प्रत्येक अध्याय के मूल भाव को समझें तथा सारांश, उद्देश्य एवं भाषा शैली को अपने शब्दों में लिखने का अभ्यास करें।

- संस्कृत खण्ड को पढ़ते समय अध्याय के कठिन शब्दों के अर्थ को कण्ठस्थ कर लें और अभ्यास करें। संधि, धातु रूप, शब्द रूप, विभक्ति परिचय, समास इत्यादि के नियम एवं परिभाषा को भली–भाँति समझ लें एवं एकाग्रता के साथ अभ्यास करें, जिससे प्रश्न पत्र को हल करते समय व्याकरण एवं वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि का अभाव रहे।

- शब्द रचना के तत्व–लोकोक्तियाँ एवं मुहावरे, शब्दों में सूक्ष्म अन्तर, अनेकार्थी शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, वाक्यों में त्रुटिमार्जन एवं तत्सम शब्द, इत्यादि के नियम एवं परिभाषा को भली–भाँति समझ लें एवं अभ्यास करें, जिससे प्रश्नपत्र को हल करते समय व्याकरण एवं वर्तनी संबधी अशुद्धि का अभाव रहे एवं नए शब्द रचना और वाक्य गठन मे ंसहायता मिले।

- परीक्षा के पूर्व गत वर्ष के प्रश्नपत्र एवं आदर्श प्रश्न पत्र को निर्धारित समय के अन्तर्गत पूरा करने का अभ्यास करें।

- सर्वप्रथम प्रश्नपत्र को पढ़ लें, प्रश्नपत्र में दिये गये निर्देशों को अच्छी तरह समझने के पश्चात ही उत्तर लिखना प्रारम्भ करें।

- वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर तथ्यपरक एवं स्पष्ट लिखें तथा प्रयास करें कि व्याकरण एवं वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियाँ न हों।

- लेखक एवं कवि का जीवन परिचय एवं साहित्यिक परिचय लिखते समय फ्लो चार्ट का प्रयोग कर सकतें हैं जैसे–

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
जन्म– स्थान– माता पिता– भाषा– मृत्यु– रचनाएँ–

- उत्तर लिखते समय अंक के अनुरूप शब्द–सीमा का ध्यान रखें।

- पैराग्राफ आधारित प्रश्न को हल करने से पूर्व एक से अधिक बार अवश्य पढ़ लें और प्रश्न को अच्छी तरह समझ कर ही उत्तर लिखना प्रारम्भ करें।

- उत्तर लिखते समय व्याकरण के नियमों एवं विराम चिह्नों यथा– अल्पविराम, पूर्णविराम इत्यादि का सावधानी पूर्वक पालन करें।

- प्रश्न पत्र में दिये गये पत्र को लिखते समय पत्र के प्रारूप को ध्यान में रखते हुए स्वच्छता और स्पष्टता के साथ संक्षिप्त शब्दों में लिखें।

- निबन्ध लिखने के लिए चयनित प्रकरण को कुछ प्रमुख बिन्दुओं में विभाजित कर लेना चाहिए जैसे– प्रस्तावना, विषय–विस्तार एवं उपसंहार इत्यादि। निबन्ध लिखते समय विचारों की क्रमबद्धता, भाषा शैली, समय एवं शब्द–सीमा का ध्यान अवश्य रखें तथा विषय से इतर भटकाव की तरफ न जायें।

- संस्कृत खण्ड पर आधारित अवतरण का सन्दर्भ सहित हिन्दी अनुवाद स्वच्छ, स्पष्ट एवं सुन्दर अक्षरों में लिखें।

- अपने जिले के लिए निर्धारित खण्ड काव्य के ही प्रश्नों का उत्तर उत्तरपुस्तिका में लिखें।

Class XII

English

Some Useful Tips for Preparation of Board Examination

- Do check the latest syllabus and model paper on the official website of the U.P. Board i.e**.** **www.upmsp.edu.in**
- Make a time table to revise the whole syllabus thoroughly.
- Solving the model paper in the given time limit will be useful.
- Note down your doubts and difficulties and consult your teachers to resolve them timely.
- Also check the syllabus related quality content available on **DIKSHA** portal and **E-Gyan Ganga** Youtube channel**.** It would be quite beneficial.

As for different sections of the question paper the following precautions and preparations will be useful-

Reading-

- Read the given unseen passage in the question paper twice, carefully.
- After the first reading, read the questions and then read the passage again.
- Keep underlining key words /phrases so that you can locate the answers in the passage quickly.
- Write answers in your own words and expressions. Do not copy the words of the passage.

Writing-

- Do practise proper format of the letters.
- Reading articles and editorials, letters to the editor published in newspapers will help you learn appropriate terms and expressions. Videos on **DIKSHA portal** and **E-Gyan Ganga** Youtube channel will be very useful.
- Use only relevant quotations or proverbs.
- Writing too long answers with irrelevant stuff gives a very poor impression, so never do that. Follow the prescribed word limit.

Grammar-

- In MCQs write the correct answer(option) in the answer sheet. Don't write only the option number**.**
- Practise 'translation' by translating short Hindi passages daily. You can consult your teacher for the new or difficult words. Keep noting in your note book the new terms / words and expressions that you come across while translating. Do revise them before exam.
- You can get practice passages from newspapers or books available around you.
- For practising narration, prepare a chart of rules and put it in your room at a convenient place so that you can revise them easily.
- For synthesis, take 5 sets of 2 sentences daily and combine them in simple, complex and compound sentences.
- For grammar, practise as many examples as are possible.

Literature

- Names and spellings of Lessons, writers and characters must be learnt correctly.
- Keep noting the key points of the lessons. They will help you remember the whole lesson. In the examination also you can highlight the key points by writing them in a box.
- Do learn the central theme of the poems.
- Read each and every line of the prescribed poems very carefully and also the imagery used.
- Revise the figures of speech and mark their use in the prescribed poems.
- You may be required to analyse, compare or justify various incidents or characters from your own point of view. Think about such questions and note your thoughts in key points. Revise these points before exam.

Some General Precautions:-

- Time management is important. So divide the allotted time for various types of questions and practise completing them within the time limit.
- Read the question paper very carefully in the given 15 minutes.
- Use short and simple sentences to maintain clarity and fluency.
- Always follow the prescribed word limit.
- Practise writing neatly. Good handwriting is always appreciated.
- Good vocabulary, correct spellings and correct grammar help you write good answers. Learn and practise wholeheartedly.

****All The Best****

विषय– संस्कृत

कक्षा–12

संस्कृत विषय में सफलता के लिए कुछ जरूरी सुझाव

संस्कृत एक प्राचीन और समृद्ध भाषा है। इसे सीखना थोड़ा मुश्किल लग सकता है लेकिन सही तरीके से अध्ययन करने पर यह बहुत ही रोचक और ज्ञानवर्धक भी हो सकता है।
यहां कुछ ऐसे टिप्स दिए गए हैं जो आपको संस्कृत में सफलता प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं

- संस्कृत को नियमित रूप से पढ़ने और अभ्यास करने का प्रयास करें।
- बड़े लक्ष्यों को छोटे–छोटे लक्ष्यों में विभाजित करें और धीरे–धीरे आगे बढ़ें।
- संस्कृत व्याकरण के नियमों को अच्छे से समझें।
- व्याकरण के नियमों का अभ्यास करने के लिए विभिन्न प्रकार के अभ्यास करें।
- रोजाना कुछ नए शब्द सीखने का प्रयास करें।
- किसी भी नए शब्द का अर्थ जानने के लिए शब्दकोश का उपयोग करें।
- हिंदी से संस्कृत और संस्कृत से हिंदी दोनों तरह के अनुवाद का अभ्यास करें।
- अनुवादित पाठों को पढ़कर अपनी समझ को बेहतर बनाएं।
- श्लोक या सूत्र को याद करने से पहले उसका अर्थ समझें।
- श्लोक या सूत्र को बार–बार दोहराएं।
- मॉडल पेपर हल करके परीक्षा के पैटर्न को समझें।
- मॉडल पेपर हल करके समय का प्रबंधन करना सीखें।
- अपने सहपाठियों के साथ मिलकर चर्चा–परिचर्चा कर अध्ययन करें।
- किसी भी संशय के लिए अपने शिक्षक से पूछें।
- अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखें।
- कठिनाइयों से न डरें और लगातार प्रयास करते रहें।

अतिरिक्त सुझाव

- स्वस्थ भोजन करें स्वस्थ भोजन करने से आपका दिमाग तेज रहेगा।
- पर्याप्त नींद लें पर्याप्त नींद लेने से आपका ध्यान केंद्रित रहेगा।
- योग और ध्यान करें योग और ध्यान करने से आपका तनाव कम होगा।

कक्षा–12
गणित विषय की तैयारी हेतु महत्वपूर्ण सुझाव

गणित अध्ययन में अभ्यास की निरन्तरता बनी रहे तो आशानुरूप परिणाम प्राप्त किया जा सकता है। गणित विषय की तैयारी करने एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण बिन्दुओं को ध्यान में रखें –

- प्रत्येक विषय का निर्धारित पाठ्यक्रम एवं मॉडल प्रश्नपत्र माध्यमिक शिक्षा परिषद् की आधिकारिक वेबसाइट **upmsp.edu.in** पर उपलब्ध है उनका भली भाँति अध्ययन करें।
- विद्यार्थी अपनी **स्वयं की समय सारिणी** अवश्य बनाकर पढ़ें जिससे सम्पूर्ण निर्धारित पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति हो सके।
- गणित के पाठ्यक्रम को अपनी सुविधानुसार बचे हुये दिवसों में विभाजित कर लें, जिसमें **कठिन टॉपिक के लिए ज्यादा समय** निर्धारित करें।
- यदि कोई टॉपिक या प्रश्न अस्पष्ट हो तो **विषय अध्यापक से सम्पर्क** कर ससमय उन्हें स्पष्ट कर लें।
- **अध्यायवार सूत्रों की सूची बनाकर अपने अध्ययन कक्ष में चिपका लें व उन्हें कण्ठस्थ करें।**
- अध्याय से सम्बन्धित सभी **नियमों एवं मुख्य बिन्दुओं को एक साथ नोट कर** लें जिससे परीक्षा के समय रिवीजन करने में आसानी होगी।
- गणित में जो टॉपिक्स आपको सरल लगते हैं उन्हें सबसे पहले तैयार करें जिससे उन पर आपकी पकड़ मजबूत हो सके।
- रैखिक प्रोग्रामन के प्रश्नों को हल करते समय **रेखायें खींचने में स्केल व पेंसिल का प्रयोग** अवश्य करें।
- समाकलन में सभी मानक समाकलनों को सूचीबद्ध करते हुए उन्हें याद करें।
- परीक्षा से पूर्व **पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति** एवं प्रत्येक टॉपिक से सम्बन्धित उदाहरणों एवं प्रश्नों को हल करने का निरन्तर अभ्यास अवश्य करें।
- विद्यार्थी पाठ्यक्रम से सम्बन्धित गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक सामग्री हेतु **'दीक्षा एप' एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के यू–ट्यूब चैनल 'ई–ज्ञान गंगा'** पर उपलब्ध वीडियोज की भी सहायता ले सकते हैं।
- पुनरावृत्ति के साथ–साथ समय का प्रबन्धन अवश्य करें। इसके लिये माध्यमिक शिक्षा परिषद की **वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्र** एवं **विगत पाँच वर्षों के प्रश्नपत्र** को निर्धारित समय में हल करने का प्रयास अवश्य करें।

प्रश्न पत्र को हल करते समय निम्न बिन्दुओं का ध्यान अवश्य रखें

- प्रश्नपत्र में दिये गये प्रश्नों को हल करने से पूर्व **ध्यानपूर्वक अवश्य पढ़ें**।
- प्रश्नपत्र में जिन प्रश्नों का हल स्पष्ट हो उसे पहले हल करें तत्पश्चात् जिन प्रश्नों में कठिनाई हो उसे बाद में हल करें। समय नष्ट न करें।
- प्रश्नों को हल करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि आपने प्रश्न सही–सही उतारा है अथवा नहीं। कभी–कभी प्रश्नों में दी गयी संख्याओं को गलत लिख लेने के कारण पूरी प्रक्रिया सही होने के बाद भी उत्तर सही नहीं आता है और अंक कट जाते हैं।
- प्रश्नों को हल करने में आवश्यक **सभी चरण (Steps) जरूर लिखें।**
- प्रश्नों के हल को स्पष्ट करनें में **आवश्यक चित्रों एवं ग्राफ** का प्रयोग अवश्य करें।
- उत्तर पुस्तिका में प्रश्नपत्र में दी गयी प्रश्न संख्या ही अंकित करें।
- प्रश्नों को स्वच्छ एवं स्पष्ट तरीके से हल करने का प्रयास करें यह भी ध्यान रहें कि **ओवरराइटिंग एवं ज्यादा कटिंग न हो।**
- रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ पर या दाहिनी ओर मार्जिन खींच कर करें तथा उस पर रफ कार्य अंकित करें। **रफ कार्य करने के पश्चात् एक सीधी रेखा से काट दें।**
- प्रश्नपत्र पूरा हल करने के पश्चात् यह सुनिश्चित हों लें कि आपके द्वारा प्रश्नपत्र में अंकित सभी प्रश्नों को हल कर लिया गया है।

कक्षा–12

भौतिक विज्ञान विषय की तैयारी हेतु महत्वपूर्ण सुझाव

भौतिक विज्ञान प्रतिदिन पढ़ा जाने वाला तथा निरन्तर अभ्यास किया जाने वाला विषय है। यदि भौतिक विज्ञान के अध्ययन को अभ्यास के साथ निरन्तर पढ़ा जाता रहे, तो शत प्रतिशत परिणाम प्राप्त किया जा सकता है। इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव निम्नवत् हैं–

- प्रतिदिन अध्ययन के लिए उपलब्ध समय को विषयवार विभाजित करके **समय–सारिणी** बनाएं। जिससे सम्पूर्ण निर्धारित **पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति** हो सके।
- भौतिक विज्ञान के निर्धारित पाठ्यक्रम को बचे हुए दिवसों में विभक्त कर लें। जिसमें **कठिन टॉपिक के लिए ज्यादा समय** निर्धारित करें।
- सबसे पहले सरल व अधिक समझ वाले टॉपिक की पुनरावृत्ति करें।
- **पुस्तक से अध्यायवार सूत्रों की सूची तैयार कर लें और उसे बार–बार देखकर कण्ठस्थ करते रहें।**
- माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट **upmsp.edu.in पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्र** को अवश्य हल करें।
- परीक्षा की तैयारी के दौरान यदि कोई टॉपिक कठिन लगे और उसे दोबारा समझना हो तो '**दीक्षा एप**' पर उपलब्ध वीडियो की सहायता ले सकते हैं।
- समय प्रबन्धन के लिए **विगत पाँच वर्षों के प्रश्न पत्रों** को निर्धारित समय में हल करने का प्रयास अवश्य करें।
- भौतिक विज्ञान में प्रश्न पत्र में पूछे जाने वाले **संयंत्रों के चित्रों व परिपथ चित्रों** को अभ्यास करें।
- पाठ्यक्रम के समस्त सूत्रों पर आधारित **आंकिक प्रश्नों का अभ्यास** अवश्य करें।
- **समस्त परिभाषाओं व Derivations का अभ्यास लिख कर करें।**
- उत्तर पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न का खण्ड सहित अंकन अवश्य करें।
- प्रश्न पत्र में जो प्रश्न अच्छे से आ रहे हैं, उन्हें पहले हल करें। समय नष्ट न करें।
- प्रश्न में जहाँ आवश्यक हो **रेखाचित्रों** का प्रयोग अवश्य करें।
- चित्रों को साफ–सुथरा बनाएं और सफाई से नामांकन करें।

- भौतिक विज्ञान विषय में इकाई (unit) का बहुत महत्व होता है। अतः उत्तर में इकाई हो तो अवश्य लिखें।
- विद्यार्थी प्रश्नों के उत्तर को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यकतानुसार **फ्लो–चार्ट** का भी प्रयोग कर सकते हैं।

उदाहरण–

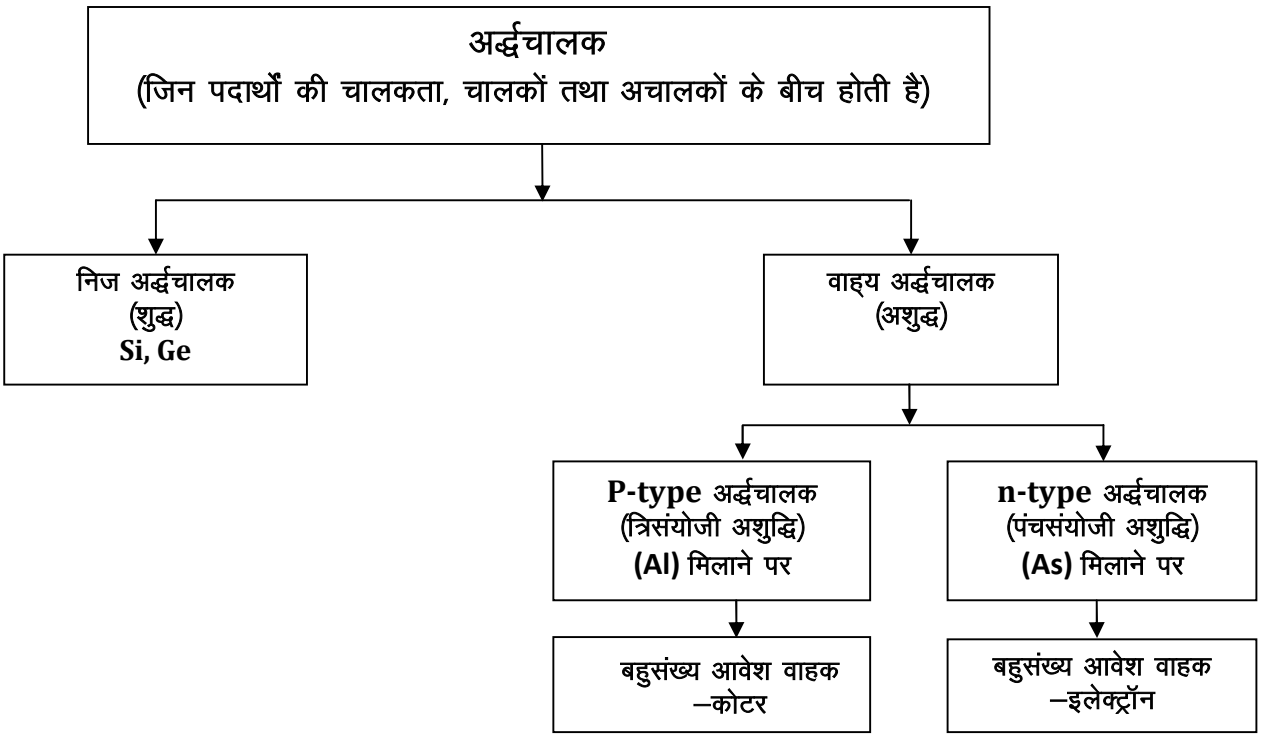

- पूरे प्रश्न पत्र को हल करने के बाद अन्तिम पृष्ठ पर अपना रोल नम्बर अवश्य अंकित करें।
- गणना हेतु रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के आखिरी पृष्ठों पर करें और उस पृष्ठ पर ''रफ कार्य'' अवश्य लिखें। **रफ कार्य करने के पश्चात् एक सीधी रेखा से काट दें।**

विषय– रसायन विज्ञान (इण्टरमीडिएट)

बोर्ड परीक्षा की तैयारी हेतु महत्वपूर्ण सुझाव

1– रसायन विज्ञान के निर्धारित पाठ्यक्रम को पढ़े तथा समय–सारिणी का निर्माण करें।

2– विगत वर्षो के बोर्ड परीक्षा के रसायन विज्ञान के प्रश्नपत्रों एवं माडल प्रश्नपत्रों के पैटर्न को समझें तथा उन्हें हल करने का प्रयास करें। माडल प्रश्नपत्र प्राप्त करने हेतु upmsp.edu.in पर सम्पर्क करें।

3– सरल अध्यायों की तैयारी पहले तथा कठिन अध्यायों की बाद में करें।

4– अध्याय से सम्बन्धित मुख्य प्रकरणों को बिन्दुवार लिखकर पढ़े जिससे रिविजन करने में आसानी हो।

5– अध्याय से सम्बन्धित मुख्य प्रकरणों को फ्लोचार्ट बनाकर याद करें।

उदाहरण–

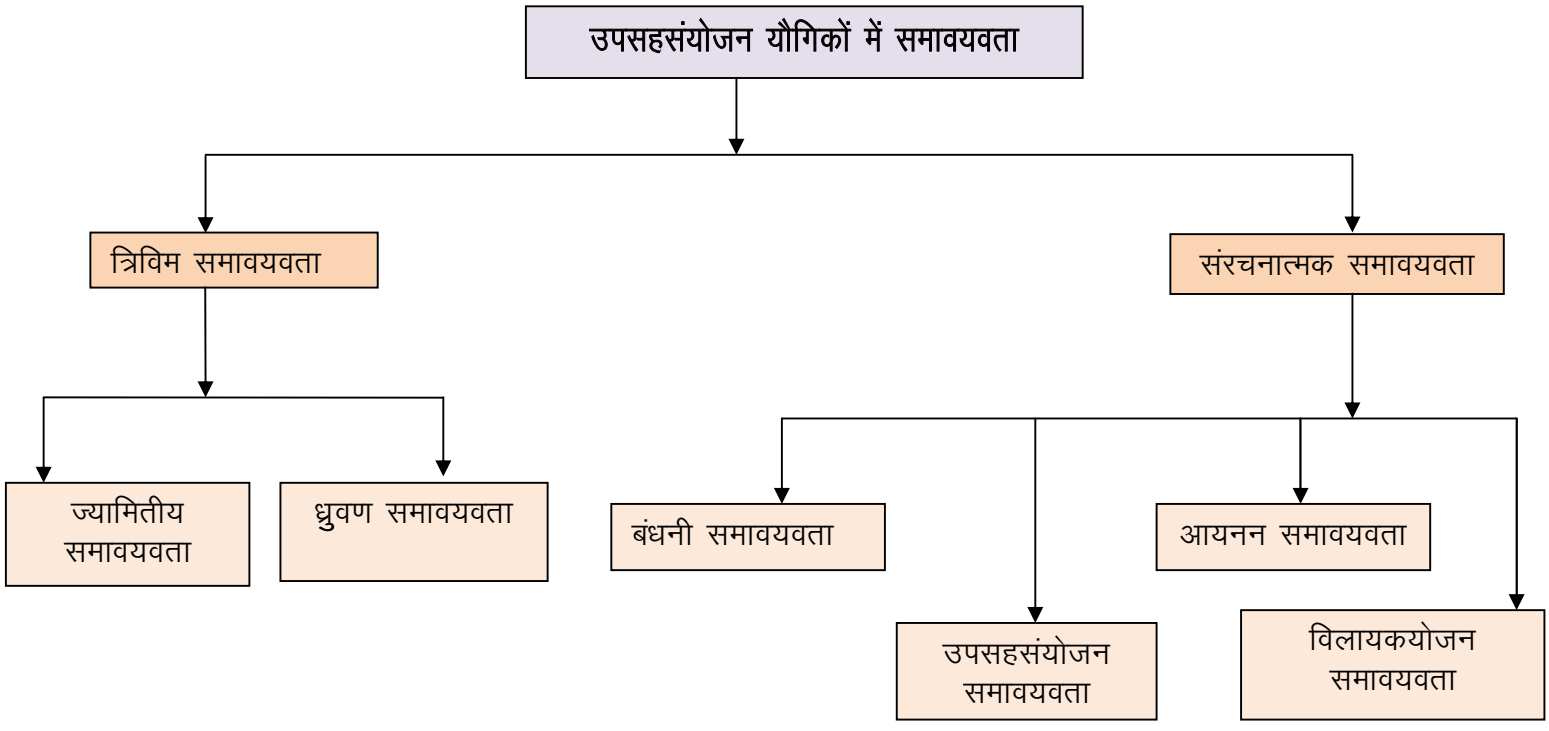

6– भौतिक रसायन सम्बन्धी अध्यायों से आंकिक प्रश्न पूछे जाते हैं। अतः अध्यायों से सम्बन्धित फार्मूलों की सूची बनाएं।

7– आंकिक प्रश्नों को हल करने का अभ्यास करें।

8– कार्बनिक तथा अकार्बनिक रसायन सम्बन्धी अध्यायों के समीकरणों को लिखकर समझने का प्रयास करें।

9– अध्यायवार सूत्रों की सूची बनाकर उसे कण्ठस्थ करने का प्रयास करें।

10– प्रमुख यौगिकों के विरचन की विधियों तथा रासायनिक गुणों को फ्लोचार्ट बनाकर पढ़े।

11– प्रकरणों से सम्बन्धित चित्रों को बनाकर अभ्यास करें।

12– आई0यू0पी0ए0सी0 नामकरण तथा समावयवता सम्बन्धी प्रकरणों को सूची,चार्ट तथा फ्लोचार्ट बनाकर अभ्यास करें।

13– प्रकरणों को रटने के स्थान पर समझने का प्रयास करें।

14– अध्यायों को अधिक स्पष्ट समझने हेतु छात्र दीक्षा एप एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के यू–ट्यूब चैनल **'ई ज्ञान गंगा'** एप की सहायता ले सकते हैं।

<u>परीक्षा कक्ष में ध्यान देने योग्य बिन्दु–</u>

1– परीक्षा देते समय सर्वप्रथम प्रश्नपत्र को ध्यानपूर्वक पढ़े।

2– उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखते समय सही प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

3– सरल प्रश्नों को पहले तथा कठिन प्रश्नों को बाद में हल करें।

4– परीक्षा में आंकिक प्रश्नों को हल करते समय प्रयोग किए जाने वाले सूत्र, प्रतीक, इकाई इत्यादि अवश्य लिखें।

5– उत्तरपुस्तिका में रासायनिक समीकरण लिखते समय ध्यान दें कि वह संतुलित हो तथा ताप, दाब, उत्प्रेरक वर्धक आदि का उल्लेख अवश्य करें।

6– उत्तरपुस्तिका में सुन्दर तथा स्पष्ट सुलेख से उत्तरों को लिखे।

7– शीर्षकों को लिखने के लिए काले तथा नीले स्केचपेन का प्रयोग करें।

8– चित्र बनाने तथा नामाकंन हेतु रंगीन पेनसिल का प्रयोग करें।

9– सर्वप्रथम सरल प्रश्नों को हल करें तत्पश्चात् कठिन प्रश्नों को करे।

10– समय का ध्यान रखते हुए प्रश्नपत्र को हल करें।

11– प्रश्नों के प्रकार के आधार पर उत्तर लिखे।

12– उत्तरों को फ्लोचार्ट के माध्यम से प्रदर्शित करने का प्रयास करें।

13– उत्तरों को लिखने के पश्चात् उत्तर पुस्तिका का पुनरावलोकन अवश्य करें।

14– छात्र अंतिम पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

विषय–जीव विज्ञान (इण्टरमीडिएट)

बोर्ड परीक्षा की तैयारी हेतु महत्वपूर्ण सुझाव

परीक्षा से पूर्व की तैयारी–

1. माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश, के वेबसाइट www.upmsp.edu.in पर अपलोड किये गये प्रत्येक विषयों के पाठ्यक्रम के अनुसार तथा मॉडल पेपर के पैटर्न को समझकर पढ़े।
2. अध्यायों में उपस्थित प्रकरणों से संबंधित फ्लो चार्ट बनाकर अध्ययन करें।
   उदाहरण–**मानव का उद्भव और विकास**

ड्रायोपिथिकस (कपि और मानव का पूर्वज)
(मायोसीन, 15 मिलियन वर्ष पूर्व)
↓
रामापिथिकस
(मायोसीन, 14–15 मिलियन वर्ष पूर्व)
↓
आस्ट्रालोपिथिकस(मस्तिष्क क्षमता– 500 सी.सी.)
(प्लियोसीन, लगभग 2 मिलियन वर्ष पूर्व)
↓
होमो हैबिलिस (हैंडी मैन, 650–800 सी.सी.)
↓
होमो इरैक्टस (100 सी.सी.)
(1.5 मिलियन वर्ष पूर्व हुआ)
↓
नियंडरथल मानव (1400 सी.सी.)
(100000 से 40000 वर्ष पूर्व)
↓
होमो सैपियंस (आधुनिक मानव)
(अफ्रीका में, आधुनिक मानव 75,000 से 10,000 वर्ष पूर्व उद्भव हुआ)

3. अध्यायों के तथ्यों को और अधिक स्पष्ट रूप से समझने हेतु 'दीक्षा' एप एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के यू–ट्यूब चैनल 'ई ज्ञान गंगा' एप की सहायता ले सकते है।
4. प्रतिदिन प्रश्नों के उत्तर लिखने का अभ्यास करें।

5. पढ़े गये अध्यायों का रिवीजन करें।
6. प्रकरण को रटने के बजाय समझने का प्रयास करें।
7. प्रकरणों से सम्बन्धित चित्रों का अभ्यास करते हुये पढ़े।
8. पिछले वर्षों का प्रश्नपत्र हल करें।
9. स्व–अध्ययन हेतु प्रत्येक विषयों को पढ़ने के लिए समय सारणी अवश्य बनायें।
10. सरल अध्याय या प्रकरण को पहले तैयार करें इससे आत्मविश्वास बढ़ेगा।
11. प्वाइंट्स बनाकर पढ़ें जिससे रिवीजन करने में आसानी होगी।
12. एकाग्रता क्षमता को ठीक रखने के लिए भरपूर नींद और उचित आहार लेना चाहिए।
13. सामूहिक अध्ययन अवश्य करें जिससे विषयों के तथ्यों की आधारभूत समझ विकसित होगी।

परीक्षा कक्ष में ध्यान देने योग्य बिन्दु–

1. सर्वप्रथम प्रश्नपत्र को ध्यान से पढ़े।
2. समय को ध्यान देते हुए प्रश्नपत्र को हल करें।
3. सरल प्रश्नों को करने के पश्चात कठिन प्रश्नों को हल करें।
4. प्रश्नों में आये चित्रों का स्वच्छ तथा स्पष्ट नामांकन करें।
5. प्रश्नों के प्रकार के अनुसार प्रश्नों का उत्तर लिखें।
6. वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर पैराग्राफ में अथवा हेडिंग देकर प्रश्न के अनुसार लिखें।
7. सम्पूर्ण प्रश्नों के उत्तर लिखने के पश्चात उत्तरों का पुनरावलोकन अवश्य करें।
8. प्रश्नों का उत्तर स्पष्ट तथा स्वच्छ राइटिंग में लिखें।
9. प्रश्नों का उत्तर फ्लो चार्ट के माध्यम से देने का प्रयास करें।
10. उत्तरों को लिखने के पश्चात् उत्तरपुस्तिका का पुनरावलोकन अवश्य करें।

कक्षा–12

इतिहास विषय की तैयारी हेतु महत्वपूर्ण सुझाव

- बोर्ड परीक्षा की तैयारी हेतु समय–सारिणी अवश्य बना लें तथा पाठ्यक्रम को छोटे–छोटे भाग में बाँट कर उसे निश्चित समयावधि में पूर्ण करने का प्रयास करें।
- माध्यमिक शिक्षा परिषद् की आधिकारिक वेबसाइट **upmsp.edu.in** पर पाठ्यक्रम एवं मॉडल प्रश्नपत्र उपलब्ध है उनका भली भाँति अध्ययन करें।
- समय के उचित प्रबन्धन हेतु परिषद् की वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न–पत्र को लिख कर निर्धारित समय में हल करने का अभ्यास करें।
- **'दीक्षा एप'** एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के यू–ट्यूब चैनल **'ई–ज्ञान गंगा'** पर उपलब्ध शैक्षिक विडियोज में से अपने पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रकरणों एवं अध्यायों के अध्ययन हेतु सहायता ले सकते है।
- पाठ्यपुस्तकों का अध्ययन करते समय प्रत्येक अध्याय के विभिन्न पृष्ठों पर बॉक्स में दी गयी विषय वस्तु का अध्ययन अवश्य करें।
- ऐतिहासिक घटनाओं से सम्बन्धित मुख्य बिन्दुओं को क्रमबद्ध रूप से संक्षेप में नोट करते चलें।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित मानचित्र सम्बन्धी प्रश्नों का अधिकाधिक अभ्यास करें।
- उत्तर पुस्तिका में प्रश्न पत्र में दी गयी प्रश्न संख्या को ही लिखें।
- खण्डवार प्रश्नों के उत्तर खण्डवार ही लिखें।
- उत्तर लिखते समय अंक के अनुरूप शब्द सीमा का ध्यान रखें।
- उत्तर प्रश्न के अनुरूप ही लिखें, अनावश्यक तथ्य या विवरण न लिखें।
- पुनरावृत्ति हेतु समय अवश्य रखें।
- स्वस्थ एवं नियमित दिनचर्या का पालन करें।
- संतुलित आहार एवं पर्याप्त नींद लें।

कक्षा–12

भूगोल विषय की तैयारी हेतु महत्वपूर्ण सुझाव

- सर्वप्रथम माध्यमिक शिक्षा परिषद् की आधिकारिक वेबसाइट **upmsp.edu.in** पर उपलब्ध पाठ्यक्रम एवं मॉडल प्रश्नपत्र का भली भाँति अध्ययन करें।
- स्वयं की समय सारिणी अवश्य बनाकर पढ़े।
- प्रत्येक अध्याय/प्रकरण/अवधारणा की पुनरावृत्ति करते समय मुख्य बिन्दुओं की सूची बना लें।
- प्रत्येक अध्याय में बॉक्स में दी गई विषय वस्तु को अवश्य पढ़े।
- प्रश्नों के उत्तर देते समय आंकड़ों का यथावश्यक प्रयोग करें।
- मॉडल प्रश्न पत्र को समय के अन्तर्गत लिखने का अभ्यास करें।
- प्रश्नों के उत्तर रटें नहीं, उसे समझकर अपने शब्दों में लिखें।
- प्रश्नों की प्रकृति व आवश्यकतानुसार उन्हें अधिक प्रभावी बनाने के लिए फ्लो चार्ट का प्रयोग करें–

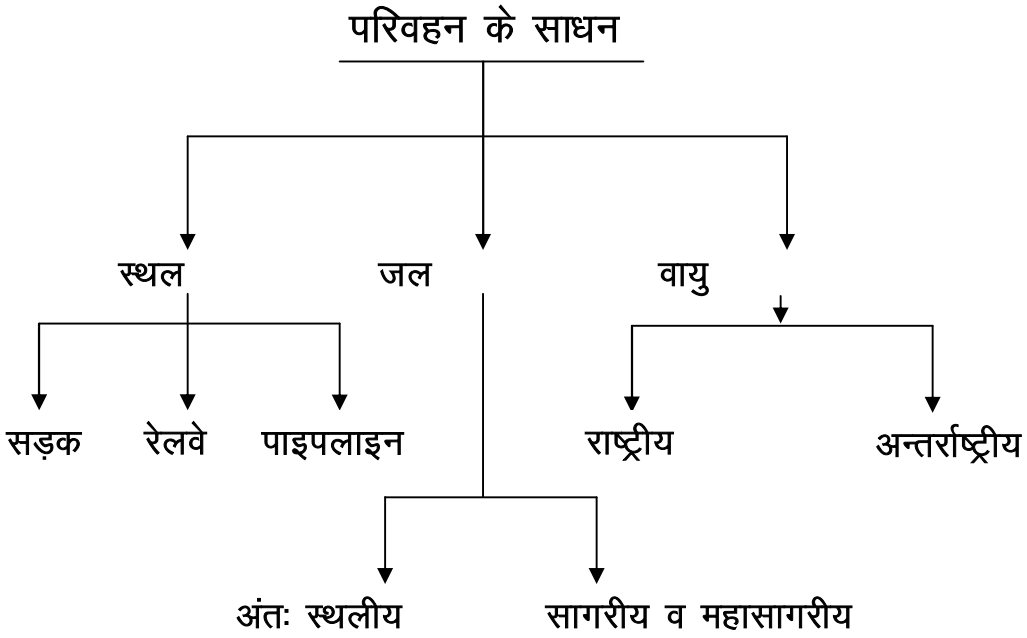

- पाठ्यक्रम से सम्बन्धित शैक्षिक सामग्री हेतु **'दीक्षा एप'** एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के यू–ट्यूब चैनल **'ई–ज्ञान गंगा'** पर उपलब्ध वीडियोज की सहायता ले सकते है।
- पाठ्यक्रम के किसी प्रकरण/टॉपिक से सम्बन्धित आरेख, चित्र एवं ग्राफ आदि को अपने उत्तर में यथावश्यक प्रयोग करें।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित भारत एवं विश्व के मानचित्र को भरने का पर्याप्त अभ्यास करें।

प्रश्नपत्र को हल करते समय निम्न बिन्दुओं का ध्यान अवश्य रखें–

- प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए 15 मिनट समय मिलता है जिसमें प्रश्नपत्र को ध्यानपूर्वक पढ़े।
- समय का विशेष ध्यान रखें।
- उत्तर–पुस्तिका में उत्तर लिखते समय सही प्रश्न–संख्या अवश्य लिखें।
- प्रश्नपत्र के वर्णनात्मक भाग में लघु उत्तरीय एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर लिखते समय नामांकित चित्रों, रेखाचित्रों एवं आंकड़ों का प्रयोग अवश्य करें। इससे उत्तर प्रभावी होगा।
- उत्तर प्रश्न के अनुरूप लिखें। अनावश्यक तथ्य या विवरण न लिखें।
- प्रश्नों के उत्तर लिखते समय शब्द सीमा का विशेष ध्यान रखें।
- रेखाचित्र एवं मानचित्र को बनाते/भरते समय पेंसिल का प्रयोग करें।
- मानचित्र के प्रश्न में जो चिन्ह दिये गये है उन्हीं चिन्हों का प्रयोग करें।